

(CBCS-UG-2017)

Hindi Literature  
Paper 04  
IV Semester

Group 04

**Title:** आधुनिक कविता (Modern Poetry)

इकाई - 1 'आधुनिक काव्य विविधा': पाठ्य- पुस्तक से व्याख्या-

- सुमित्रानन्दन पन्त: 'छाया' एवं 'शिशु'
- महादेवी वर्मा: 'मधुर - मधुर मेरे दीपक जल', 'टूट गया वह दर्पण निर्मम',  
एवं 'मैं नीरु भरी दुख की बदली'।
- रामधारी सिंह दिनकर: 'कुरुक्षेत्र' - (प्रथम सर्ग)

इकाई - 2 उपरोक्त कविताओं का सार।

इकाई - 3 उपरोक्त कवियों एवं उनकी काव्य- कला से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - 4 मैथलीशरण गुप्त, अज्ञेय तथा प्रसाद के जीवन और काव्य से संबंधित प्रश्न।

Alphonse  
Deptt. Hindi  
A.S. College Sog

## निर्धारित पाठ्य पुस्तकें -

1. आधुनिक काव्य - विविधा - प्रा० ज़ोहरा अफज़ल - पृ०. बुक विजन कश्मीर।

## सहायक ग्रन्थ सूची -

- 1 प्रसाद, निगला, पंत, महादेवी - डॉ० कृष्णदेव शर्मा अशोक प्रकाशन, दिल्ली, सं. 2002
- 2 हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास - डॉ० नगेन्द्र, नागरीप्रचारणी सभा, काशी, सं. 2015
- 3 पंत- साहित्य: आत्मकथात्मक परिदृश्य, डॉ० निर्मल वख्शी, गण्डूभाषा प्रकाशन, सं. 1977
- 4 काव्य परम्परा और नई कविता की भूमिका- कमल कुमार, प्रेम प्रकाशन मंदिर, दिल्ली, सं. 1988
- 5 मैथिलीशरण गुप्त प्रासंगिकता के अन्तः सूत्र- कृष्णदाम पालीवाल, मचिन प्रकाशन,  
दिल्ली, सं. 1987
- 6 प्रसाद, निगला और पंत अधुनातन आंकलन- डॉ० रामप्रसाद मिश्र, दिनमान प्रकाशन,  
दिल्ली, सं. 1990
7. एक कवि - एक अध्ययन - (भाग 2) - संतोष कुमार निवारि।